विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

दिसंबर 2024 मार्गशीर्ष – पौष। विक्रमी सं. 2081

पंचपदी को सहज मन से स्वीकार करें: डी.रामकृष्ण राव

सांस्कृतिक एकात्मता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक हैं भारतीय भाषाएँ : अवनीश भटनागर

अटल विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा दिवस पर व्याख्यान

पंचपदी अधिगम पद्धति स्रोत व्यक्ति कार्यशाला

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र में पांच दिवसीय पंचपदी अधिगम पद्धति स्रोत व्यक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महंत ने कहा कि पंचपदी, भारत की मूल अधिगम पद्धति है। पंचपदी के माध्यम से बालक का समग्र और सर्वांगीण विकास हो, इसका प्रयास हम सबको करना है। उन्होंने आह्वान किया कि पूर्ण रूप से स्रोत व्यक्ति के नाते विकसित हो कर इसे अपने प्रांत, क्षेत्र में ले जाने में सक्षम बनें।

पंचपदी की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं- अवनीश भटनागर

विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार मनुष्य में अन्तर्निहित पूर्णता का प्रकटीकरण करना शिक्षा का कार्य है। पंचपदी की यही अवधारणा है कि ज्ञान अन्तर्निहित है, उसका अनावरण करना ही शिक्षक का काम है। शिक्षा अमूर्त है और इसका मूर्त रूप शिक्षक है। शिक्षक नहीं सिखाता अपितु विद्यार्थी सीखता है। अवनीश जी ने गीता के श्लोक "श्रद्धावान् लभते ज्ञानम् तत्परः संयतेन्द्रियः" का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि श्रद्धा नहीं है, विद्यार्थी में सीखने की तत्परता नहीं है तो सीख नहीं सकता। सीखने वाले व्यक्ति की इन्द्रियां उसके नियंत्रण में होना आवश्यक है। पंचपदी अधिगम पद्धति का मूल आधार है कक्षा कक्ष के वातावरण में ये तीनों होना। उन्होंने अधिगम के तीन उद्देश्य बताए कारणीकरण, प्रमाणीकरण एवं अभिव्यक्तिकरण, क्षमता का विकास, अभिव्यक्ति तभी सशक्त होगी जब विषय की ठीक से समझ होगी। इन तीनों के बिना शिक्षा का कार्य पूरा नहीं होता।

पंचपदी को सहज मन से स्वीकार करें: डी.रामकृष्ण राव

विद्या भारती के अध्यक्ष श्री डी. रामकृष्ण राव ने कहा कि कुशलता प्राप्त करने के बाद हम लीड रोल में जाएंगे और स्रोत व्यक्ति बनेंगे। विशेषज्ञता प्राप्त करते-करते उपदेशक और फिर सलाहकार बनकर अंत में पालक बन जाएंगे। यही मन में रखते हुए आगे बढ़ना है।

श्रेष्ठ शिक्षक के तीन गुण बताते हुए कहा कि मौन के पीछे की ध्वनि पढ़ना, अज्ञानता के पीछे की गंध अनुभव करना और मासूमियत के पीछे का भाव अनुभव करना। हमें पंचपदी को सहज मन से स्वीकारना, लक्ष्य केन्द्रित करना, छोटे-छोटे विषय, संवेदनशीलता से समझाना, विद्यालयों में समन्वय रखना और समाजोन्मुखी होकर काम करना है।

विद्या भारती की मूल शिक्षण पद्धति है पंचपदी: गोबिन्द चन्द्र महंत

संस्थान के संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महंत ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पश्चात पंचपदी को आगे ले जाने हेतु विद्या भारती के कार्यकर्ता लगे हुए हैं। उन्होंने 'पंचपदी अधिगम पद्धति' और 'भारतीय शिक्षा में पंचकोशात्मक एवं समग्र विकास की संकल्पना' विषयक दो पुस्तकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हें वर्ष 2025 तक विद्यालय स्तर तक ले जाने का लक्ष्य है।

कार्यशाला में विद्या भारती के सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र शर्मा, सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर, संस्थान के सचिव श्री वासुदेव प्रजापति, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा और संस्कृति बोध परियोजना के संयोजक श्री दुर्ग सिंह राजपुरोहित आदि उपस्थित रहे। संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि कार्यशाला में लगभग सभी प्रदेशों से 109 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

शिक्षा महाकुंभ का आयोजन

भारतीय शिक्षा प्रणाली में मानवीय व्यवहार की महत्वपूर्ण भूमिका: ज्ञानानंद जी महाराज

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा विद्या भारती के समग्र शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 'वैश्विक विकास के लिए भारतीय शिक्षा प्रणाली' विषय पर दो दिवसीय शिक्षा महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि पुस्तकों का ज्ञान और अनुभवात्मक शिक्षा आंतरिक चेतना और जागरुकता को बाहर लाने में मदद करती है। भारतीय शिक्षा प्रणाली में मानवीय व्यवहार की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो व्यक्ति के मानवीय मूल्यों का पोषण करती है।

स्वदेशी जागरण मंच के सह-संगठन श्री सतीश कुमार ने कहा कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में उद्यमिता प्रकोष्ठ की स्थापना की जानी चाहिए, जिससे विद्यार्थी स्वयं आत्मनिर्भर बन रोजगार का सृजन कर सकें। विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि भारतीय शिक्षा विश्व कल्याण की भावना से कार्य करती है।

शिक्षा महाकुंभ के संरक्षक एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि एनईपी 2020 के विभिन्न घटकों में भारतीय ज्ञान प्रणाली को एकीकृत किया गया है। विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के महामंत्री श्री देशराज शर्मा, संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा, माय होम इंडिया के संस्थापक श्री सुनील देवधर, गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सीबीएलयू की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी आदि ने भी विचार व्यक्त किए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर संजीव शर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

अटल विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा दिवस पर व्याख्यान

सांस्कृतिक एकात्मता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक हैं भारतीय भाषाएँ : अवनीश भटनागर

बिलासपुर। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय भाषा दिवस पर 11 दिसंबर को भारतीय भाषाओं की एकात्मकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। बिल्हा विधायक श्री धर्मलाल कौशिक ने हिंदी को भारतीय अस्मिता का मूल आधार बताते हुए कहा कि हिंदी न केवल हमारी मातृभाषा है, बल्कि यह भारत की विविधता में एकता का प्रतीक भी है। हिंदी हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करती है।

विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने भारतीय भाषाओं के ऐतिहासिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाषा न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है, बल्कि यह हमारी सांझी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं को भारतीय भाषाओं के साहित्य को समझने, अपनाने और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की अपील की।

विद्या भारती के प्रांत संगठन मंत्री डॉ. देव नारायण साहू ने कहा कि भारतीय भाषाओं को नवाचारों से जोड़ने के प्रयास फलीभूत होते दिख रहे हैं। आज जब पूरा देश 'भारतीय भाषा दिवस' मना रहा है तो निश्चित ही हमें भाषाई आत्मनिर्भरता तथा भाषाई सौहार्द सुदृढ़ होने की सकारात्मक राह दिखती है।रजिस्ट्रार श्री शैलेंद्र दुबे ने कहा कि देश की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करती हैं और सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करती हैं। आयोजन के संयोजक श्री बृजेंद्र शुक्ला, सह संयोजक डॉ. सौमित्र तिवारी, श्री यशवन्त कुमार पटेल, श्री रामपाल सिंह रहे। आयोजन में डॉ. तरुण धर दीवान परीक्षा नियंत्रक, डॉ. एचएस होता, डीन, डॉ. केके शर्मा, डीसीडीसी, अलेक्जेंडर कुजूर, वित्ताधिकारी आदि ने सहयोग किया।

विद्या भारती के विद्यालयों में भारतीय भाषा दिवस पर कार्यक्रम

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद की राष्ट्रीय बैठक

राष्ट्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाएं पूर्व छात्रः गोबिन्द चन्द्र महंत

गुवाहाटी। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद की वार्षिक बैठक का आयोजन 14-15 दिसंबर को किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महंत ने राष्ट्र निर्माण में पूर्व छात्रों की भागीदारी को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 'पंच प्रण' का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंच प्रण को जीवन का हिस्सा बनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। ये पांच प्रण हैं-पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध, नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन और समरसता। पूर्व छात्र परिषद का उद्देश्य केवल पूर्व छात्रों को जोड़ना नहीं है, बल्कि उन्हें राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझाने और योगदान के लिए प्रेरित करना है।

संघ शताब्दी वर्ष में पूर्व छात्र परिषद राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के विद्यालय और समाज केंद्रित कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से परिषद न केवल विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों को जोड़ने का कार्य करेगी, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करेगी।

बैठक में पूर्व छात्र आयाम के अखिल भारतीय प्रभारी श्री विजय नड्डा का पाथेय प्राप्त हुआ और आगामी वर्ष की कार्ययोजना के बारे में चर्चा की गई। पूर्व छात्र परिषद के कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया कि विद्या भारती की ओर से देश भर में 12 हजार से अधिक औपचारिक विद्यालय, 8 हजार से अधिक एकल शिक्षण केन्द्र, 2 विश्वविद्यालयों सहित 50 महाविद्यालय एवं शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद 10 लाख से अधिक पंजीकृत सदस्यों के साथ विश्व का सबसे बड़ा पूर्व छात्र संगठन बन गया है। यह संगठन राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाले पूर्व छात्रों को एकजुट करने का सशक्त माध्यम बन गया है। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सहित क्षेत्र एवं प्रांतीय संयोजकों के रूप मे 19 प्रांतों के कार्यकर्ता और विदेश विभाग से अमेरिका से आए एक कार्यकर्ता भी शामिल रहे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में गीता विद्यालय के छात्रों ने लहराया परचम

कुरुक्षेत्र। गीता जयंती पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले गीता विद्यालय के छात्रों को प्राचार्य अनिल मदान व उत्तर क्षेत्र सेवा शैक्षिक संयोजक सुभाष शर्मा ने सम्मानित किया। प्राचार्य अनिल मदान ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र के 50 विद्यालयों ने प्रतिभागिता की थी।

आधारभूत विषय पाठ्यक्रम निर्माण की राष्ट्रीय कार्यशाला

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में दो दिवसीय आधारभूत विषय पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने समग्र और सर्वांगीण विकास की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास एक-एक व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास है। वह पंचकोशात्मक विकास है, परन्तु समग्र विकास की संकल्पना एक-एक व्यक्ति के विकास से समाज को, राष्ट्र को, ब्रह्माण्ड को एवं संपूर्ण मानव जाति को क्या लाभ होगा, इस पर केंद्रित है। व्यक्ति विकसित तब कहलाएगा जब उसकी लौकिक और पारलौकिक दोनों प्रकार की उन्नति होगी। इसलिए व्यक्तित्व का विकास ऐसा करना, जिससे राष्ट्र की प्रगति में योगदान करने वाला व्यक्ति अंततः विश्व के कल्याण का कारक बन सके। उन्होंने कहा कि विद्या भारती का उद्देश्य समाज के लिए अगली पीढ़ी का निर्माण करना है। इसलिए व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का आधार होने के कारण हमने इन्हें आधारभूत विषय कहा है।

ध्यातव्य है कि विद्या भारती के पांच आधारभूत विषय शारीरिक शिक्षा, योग शिक्षा, संगीत शिक्षा, संस्कृत शिक्षा एवं नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा हैं।

कार्यशाला में विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महंत, सह संगठन मंत्री श्री श्रीराम आरावकर, श्री यतीन्द्र शर्मा, संस्कृति बोध परियोजना के संयोजक श्री दुर्ग सिंह राजपुरोहित भी उपस्थित रहे। संस्थान के निदेशक डा. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से 42 विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया।

वीर बाल दिवस

विद्या भारती के विद्यालयों में "वीर बाल दिवस" श्रद्धा भाव से मनाया गया, जिसमें चारों साहिबजादे और गुरु गोविन्द सिंह जी के त्याग, समर्पण और बलिदान के विषय में विस्तार से चर्चा हुई

अखिल भारतीय प्रचार विभाग एवं अभिलेखागार बैठक

भाग्यनगर (हैदराबाद)। तेलंगाना के भाग्यनगर स्थित श्री शारदाधामम् में विद्या भारती की प्रचार विभाग व अभिलेखागार विभाग की दो दिवसीय (7-8 दिसंबर) अखिल भारतीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविन्द चंद्र महन्त, प्रचार विभाग के प्रभारी व दक्षिण मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री एल. सुधाकर रेड्डी, विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी व विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. उमा महेश्वर राव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

विद्या भारती प्रचार विभाग के अखिल भारतीय संयोजक डॉ. राम कुमार भावसार ने प्रचार विभाग के उद्देश्यों एवं कार्यों की जानकारी दी। बैठक में आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर भी मंथन किया गया। बैठक में प्रचार विभाग की केन्द्रीय टोली के सदस्य, 11 क्षेत्रों के क्षेत्रीय संयोजक एवं सह संयोजक व अभिलेखागार विभाग के अखिल भारतीय संयोजक श्री प्रदीप एवं क्षेत्रीय संयोजक व सह संयोजक आदि उपस्थित रहे।

स्वर्ण जयंती स्तंभ का अनावरण

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र में स्वर्ण जयंती स्तंभ के अनावरण एवं सावरकर सत्कार भवन के शिलान्यास का भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र के सांसद श्री नवीन जिंदल मुख्य अतिथि थे। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम शर्मा ने विद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष के साक्षी स्तंभ एवं विद्यालय में बनने वाले तीन मंजिला भवन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष श्री दूसि रामकृष्ण राव, संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महंत, हिंदू शिक्षा समिति हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. ऋषि राज वशिष्ठ, विद्यालय प्रबंध समिति के प्रबंधक श्री पवन गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्री रणधीर वालिया एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रबंध समिति के सदस्य, प्रधानाचार्य तथा समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

"राष्ट्रसेविका माँ अहिल्याबाई होल्कर" पुस्तक का विमोचन

भोपाल। रवीन्द्र भवन में 15 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रसेविका माँ अहिल्याबाई होल्कर के जन्मोत्सव के त्रिशताब्दी वर्ष के अवसर पर उनके महान कर्तृत्व को उजागर करती पुस्तक "राष्ट्रसेविका माँ अहिल्याबाई होल्कर" का विमोचन किया गया। यह पुस्तक माँ अहिल्याबाई के जीवन और उनके प्रेरणादायक कार्यों को समझने का एक अद्भुत अवसर है। हम सभी को माँ अहिल्याबाई के जीवन से राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्श नेतृत्व की प्रेरणा लेनी चाहिए। पुस्तक के लेखक विद्या भारती, मध्य भारत प्रांत के संगठन मंत्री श्री निखिलेश महेश्वरी हैं। इस अवसर पर श्री श्रीराम आरावकर, सह संगठन मंत्री, विद्या भारती, श्री अशोक पाण्डेय, प्रान्त संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, श्री राव उदय प्रताप सिंह, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री मध्य प्रदेश और डॉ. वंदना गांधी, राज्य सूचना आयुक्त, मध्य प्रदेश आदि उपस्थित रहे।

24 खिलाडी पुरस्कृत

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल ने जिला स्तरीय मलखम्भ प्रतियोगिता श्रीमती हीरा देवी भट्ट विवेकानंद विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज में आयोजित की। इस अवसर पर विद्यालय के 24 खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

उपलब्धियाँ

भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए अभिषेक शुक्ला का चयन

ISS 2024 एग्जाम में अभिषेक शुक्ला को मिली ऑल इंडिया 10वीं रैंक।

विद्या भारती कानपुर प्रांत से संबद्ध कन्नौज के कन्हैया लाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मकरंदनगर के छात्र अभिषेक शुक्ला का चयन भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए हुआ है। अभिषेक शुक्ला ने विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक शिक्षा ग्रहण की थी।

प्रधानाचार्य डॉ. अनूप शर्मा का नाम एशिया बुक आफ रिकाड्र्स में दर्ज

श्री जी बाबा एसवीएम, मथुरा, उत्तर प्रदेश के पूर्व छात्र और श्री विद्यारण्य इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. अनूप शर्मा का नाम अधिकतम घरेलू और विदेशी शिक्षण अनुभव प्राप्त करने के लिए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। रसायन विज्ञान में 25 वर्षों के शानदार करियर के साथ वह जुलाई 1999 से मार्च 2024 तक भारत और युगांडा, तंजानिया, इथियोपिया और कजाकिस्तान के प्रतिष्ठित स्कूलों में नेतृत्वकर्ता की भूमिका में रहे। यह उपलब्धि विद्या भारती द्वारा दिए गए मूल्यों और इसके छात्रों की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। डॉ. अनूप शर्मा की यह यात्रा शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रेरणादायक है।

आशीष पांडेय को राष्ट्रपति भवन में पुरस्कार समारोह के लिए आमंत्रण

बस्ती। प्रयाग विश्वविद्यालय में आयोजित गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड टेक मैराथन कंपिटीशन 2024 में सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग बस्ती के आशीष पांडेय ने अग्रिम सेना मुख्यालय और अग्रिम सीमा पैट्रोलिंग रोबोट को 17 साल की उम्र में बनाकर गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान प्राप्त किया है।

इस क्रम में प्रधानाचार्य गोविंद सिंह को आगामी 26 मई 2025 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले पुरस्कार समारोह में उन्हें आशीष पांडे के साथ आमंत्रित किया गया है। आशीष पांडेय अब अगले वर्ष 2025 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टेक मैराथन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

विद्या भारती, दक्षिण असम : एपीएससी 2024 परिणाम-पूर्व छात्र

कृषि कार्य में संलग्न छात्र

विद्या भारती विज्ञान केंद्र, नादर गुल, हैदराबाद (विद्या भारती तेलंगाना)

विद्या भारती विज्ञान केंद्र, नादरगुल, हैदराबाद (विद्या भारती तेलंगाना), अपने छात्रों को कृषि कार्य में सक्रिय रूप से शामिल कर रहा है। यह पहल छात्रों को कृषि के महत्व को समझने, टिकाऊ खेती के तरीकों के बारे में जानने और कृषि उद्योग के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने में मदद करती है। ऐसी गतिविधियों के माध्यम से, छात्रों को पर्यावरण जागरुकता और ग्रामीण विकास में योगदान करते हुए पारंपरिक खेती के तरीकों से जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com

Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,